









## खबर संक्षेप

**सूर्या नर्सिंग कालेज में वार्षिक क्रीड़ा का शुभारंभ**  
महासमुंद। सूर्या नर्सिंग इंस्टीट्यूट महाविद्यालय में 22 जनवरी को वार्षिक क्रीड़ा का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं ने खेल के दौरान मैत्रीपूर्ण व्यवहार का संकल्प लिया। महाविद्यालय के संस्थापक मोतीचंद बाफना द्वारा मशाल जलाकर वार्षिक क्रीड़ा का आगाज किया। छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए सभी विद्यार्थियों को खेल भावना से खेल खेलने के प्रेरित किया। वार्षिक क्रीड़ा को संपन्न बनाने के लिए महाविद्यालय प्रांगण में रैली निकाली। तत्पश्चात प्रथम दिवस खेल शुरू हुआ। कार्यक्रम में शिक्षकगण शुभा पेट्रिक, मोनिका पटेल, महिमा साहू, चंचल साहू, समृद्धि साहू साहू भी उपस्थित रहे।

**सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की दी जानकारी**  
महासमुंद। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतिम दिन यातायात पुलिस से नागेंद्र दुबे के मार्गदर्शन में नेहरू युवा केंद्र, यातायात पुलिस विभाग एवं वेटनरी पॉलिटेक्निक के तत्वाधान में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता किया गया। साथ ही दो पहिया वाहन चलाने के समय हेलमेट लगाने एवं अन्य यात्रा नियमों के प्रचार एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागृति बढ़ाने के लिए विविध कार्यक्रम हुए। डॉ गोविना देवांगन ने सड़क जागरूकता पर शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर वयाराम सेन, पोखन, महेंद्र दीवान, गौरव नौरंगे, डॉ.गोविना देवांगन, अशोक चक्रधारी, कृष्ण कुमार साहू उपस्थित रहे।

**सुकुलबाय स्कूल में हुई संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता**

महासमुंद। संकुल केन्द्र सिरपुर अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला सुकुलबाय में 20 से 21 जनवरी तक तीन दिवसीय संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जानसिंह यादव ग्राम अध्यक्ष सुकुलबाय ने की। मुख्य अतिथि समस्त शाला प्रबंधन एवं विकास समिति संकुल खोत केन्द्र सिरपुर प्राथमिक शाला सर्व कोमल यादव, मनीराम खड्डिया, मोहित कुमार ध्रुव, हेमलाल ध्रुव, सीताराम ध्रुव, केशव साहू, मोहित दास वैष्णव, दिनेश कुमार निषाद, वासुदेव दीवान तथा विशिष्ट अतिथि विकासखण्ड शिक्षाधिकारी महासमुंद लीलाधर सिन्हा एवं अतिथि संकुल समन्वयक जोगेन्द्र गिलहरे रहे। संस्था प्रमुख एवं सहायक शिक्षकों की उपस्थिति में बच्चों की एकल खेलों एवं सामूहिक खेलकूद का आयोजन किया गया।

## पेज 11 का शेष

## रेत से मरा ...

जितेंद्र कुमार वर्मा बताया जा रहा है, वही भारी वाहन में दबने मृतक युवक की मोटर साइकिल कुचबुर बन गई है मोटरसाइकिल अलग-अलग टुकड़ों यहां वहां बिखरा पड़ा है। बताया गया है कि रेत से भरी ओवरलोड हाईवा चिखली घाट से रेत भरकर ला रहा था, ग्रामीणों ने बताया कि महानदी का सीना छलनी कर रात भर अवैध रेत खनन कर रेत माफिया घड़ल्ले से परिवहन करते हैं ये इतने जल्दी में रहते हैं कि किसी की जान की इन्हें परवाह नहीं 7-8 माह पहले भी रेत से भरी हाईवा दुकान में घुस गई, जिससे मानहानि तो नहीं मगर दुकान और मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं ग्रामीण प्रशासन से लगातार मांग करते आ रहे हैं कि इस के अवैध खनन और आवाजाही पर रोक लगाई जाए।

## जन्मदिन उत्सव पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि अब हर माह आप बने भाग्यशाली विजेता। जन्मदिन उत्सव माह फरवरी का फार्मेट का प्रकाशन 20 जनवरी को किया जा चुका है, पाठक अपना फार्मेट 25 जनवरी तक अपने एजेंट सब एजेंट जिला कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

**आयोजन : नगर में पं. हरगोपाल शर्मा की भागवत महापुराण कथा जारी**

# 18 पुराणों में भागवत महापुराण ही ऐसा है जिसे श्रीमद् शब्द के तिलक से अलंकृत किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भाटापारा

कॉलेज रोड स्थित छत्रीसगढ़ी अग्रवाल समाज के भवन प्रांगण में इंजीनियर गौतम प्रसाद पंज कृष्ण अग्रवाल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण में कथावाचक पं. हरगोपाल शर्मा ने भागवत की महत्ता व भगवान की दिव्य लीलाओं पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा अष्टादश पुराणों में भागवत महापुराण ही ऐसा है जिसे श्रीमद् शब्द के तिलक से अलंकृत किया गया है। भागवत कथा का श्रवण, मनन एवं चिंतन भक्ति प्रदाता है और इससे आश्रय से धन, पुत्र, वाहन, घर, पत्नी व राज्य प्राप्ति की सभी कामनाओं की पूर्ति हो जाती है। यह शास्त्र पठन और श्रवण करने से शीघ्र ही मोक्ष फल देने वाला है। पं. हरगोपाल शर्मा ने कथा के माध्यम से बताया कि मनुष्य को अनेक जन्मों के बाद में कहीं भगवान के नामों में भक्ति भाव जागृत होता है। कलियुग में प्राणी मात्र के उद्धार का एकमात्र साधन भक्ति ही है अर्थात् प्राणी को तप, तीर्थ, योग, यज्ञ आदि में परिश्रम करने की आवश्यकता नहीं भक्ति देने में एक मात्र भक्ति ही समर्थ है और इसका प्रमाण ब्रज की गोपियां हैं, भक्ति भक्ति की दासी व ज्ञान, वैराग्य उसके पुत्र हैं और जहां



भागवान की कथा होती है, वहां भक्ति, ज्ञान व वैराग्य अवश्य पहुंच जाते हैं। इस लोक में चित्त शुद्धि और पाप के नाश के लिए भागवत से अधिक कल्याणकारी और कोई दूसरा उपाय नहीं है। महाभारत प्रसंग पर उन्होंने कहा कि युद्ध के उपरांत शोक से ग्रसित युधिष्ठिर सहित पांडवों को उपदेश दिलाते भगवान सभी को सर शैल्या पर लेते हुए भीष्म पितामह के पास लेकर गए, जहां भीष्म पितामह ने उन्हें राजधर्म व गृहस्थ धर्म का उपदेश देते हुए कहा कि व्यक्ति को आलसी नहीं होना चाहिए एवं साधन भक्ति ही है अर्थात् प्राणी को तप, तीर्थ, योग, यज्ञ आदि में परिश्रम करने की आवश्यकता नहीं भक्ति देने में एक मात्र भक्ति ही समर्थ है और इसका प्रमाण ब्रज की गोपियां हैं, भक्ति भक्ति की दासी व ज्ञान, वैराग्य उसके पुत्र हैं और जहां

ज्ञान कहा गया था जब भरी सभा में दुशासन मेरी साड़ी खींच रहा था, तब पितामह ने कहा कि दुर्योधन के दूषित अन्न को खाने से मेरी मति दूषित हो गई थी। पितामह भगवान से कहते हैं कि प्रभु मुझे अपने पूर्व के एक सौ चौबीस जन्मों के बारे में याद की मैंने कभी कोई पाप नहीं किया तो मुझे ऐसी सजा क्यों मिली कि आज चौवन दिनों से मैं सर शैल्या पर पड़ा हूं, भगवान ने कहा कि पितामह आपने भक्तों की रक्षा करते हैं, जब-जब इस धरा धाम में धर्म की हानि होती है तब-तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतार लेकर पापियों का नाश कर पुनः धर्म की स्थापना करते हैं। संगीतमय कथा के माध्यम से कथा प्रसंगों पर सुंदर भजनों पर श्रोता झूमते व नाचते रहे। कथा श्रवण करने प्रतिदिन कथा पंडाल में श्रोताओं की संख्या बढ़ती जा रही है।

विभोर होते रहे। ध्रुव चरित्र पर उन्होंने बताया कि जीवन में नारद जी जैसे संतों का सानिध्य प्राप्त हो जाए, तो व्यक्ति नर से नारायण के पद को प्राप्त कर सकता है। प्रह्लाद चरित्र उन्होंने कहा कि भगवान को भूल जाना ही सबसे बड़ी विपत्ति व भगवान की सदा याद बनी रहना सबसे बड़ी संपत्ति है और भगवान अपने भक्तों के वचनों की मर्यादा रखने हेतु जड़ में भी चैतन्य रूप से प्रकट हो अपने भक्तों की रक्षा करते हैं, जब-जब इस धरा धाम में धर्म की हानि होती है तब-तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतार लेकर पापियों का नाश कर पुनः धर्म की स्थापना करते हैं। संगीतमय कथा के माध्यम से कथा प्रसंगों पर सुंदर भजनों पर श्रोता झूमते व नाचते रहे। कथा श्रवण करने प्रतिदिन कथा पंडाल में श्रोताओं की संख्या बढ़ती जा रही है।

## मामा कंस का वध कर श्रीकृष्ण ने मथुरा नगरी को अत्याचारों से मुक्ति दिलायी



भटगांव। नगर भटगांव के बामहण पारा रंग मंदिर में चल रहे श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के छठवें दिन पं. नवल किशोर तिवारी ने महारास, कंसवध, रूक्मणी विवाह के प्रसंगों का चित्रण किया। कथा व्यास ने बताया कि भगवान विष्णु के पृथ्वी लोक में अवतरित होने के प्रमुख कारण थे, जिसमें एक कारण कंस वध भी था। कथा व्यास पं. नवल किशोर तिवारी ने कहा कि कंस के अत्याचार से पृथ्वी त्रह त्रह जब करने लगी तब लोग भगवान से गुहार लगाते लगे। तब श्रीकृष्ण अवतरित हुए। कंस को यह पता था कि उसका वध श्रीकृष्ण के हाथों ही होना निश्चित है। इसलिए उसने बाल्यावस्था में ही श्रीकृष्ण को अनेक बार मरवाने का प्रयास किया, लेकिन हर प्रयास भगवान के सामने असफल साबित होता रहा। 11 वर्ष की अल्प आयु में कंस ने अपने प्रमुख अकर्तृक के द्वारा मल्ल युद्ध के बहाने कृष्ण, बलराम को मथुरा बुलाकर शक्तिशाली योद्धा और पागल हाथियों से कुचलवाकर मारने का प्रयास किया, लेकिन वह सभी श्रीकृष्ण और

बलराम के हाथों मारे गए और अंत में श्रीकृष्ण ने अपने मामा कंस का वध कर मथुरा नगरी को कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिला दी। कंस वध के बाद श्रीकृष्ण ने अपने माता पिता वासुदेव और देवकी को जहां कारागार से मुक्त कराया, वहीं कंस द्वारा अपने पिता उग्रसेन महाराज को भी बंदी बनाकर कारागार में रखा था, उन्हें भी श्रीकृष्ण ने मुक्त कराकर मथुरा के सिंहासन पर बैठाया।

उन्होंने बताया कि रूक्मणी जिन्हें माता लक्ष्मी का अवतार मानती है। वह विदर्भ साम्राज्य की पुत्री थी, जो विष्णु रूपी श्रीकृष्ण से विवाह करने को इच्छुक थी, लेकिन रूक्मणी के पिता व माई इससे सहमत नहीं थे, जिसके वजते उन्होंने रूक्मणी के विवाह में जरास्थ और शिशुपाल को भी विवाह के लिए आमंत्रित किया था, जैसे ही यह खबर रूक्मणी को पता चली, तो उन्होंने दूत के माध्यम से अपने दिल की बात श्रीकृष्ण तक पहुंचाई और काफी संघर्ष हुआ युद्ध के बाद अतः रूक्मणी रूक्मणी से विवाह करने में सफल रही।

■ **भागवत कथा के छठवें दिन कंसवध और रूक्मणी विवाह प्रसंग की प्रस्तुति**

## देवसुन्दा में हनुमान चालीसा पाठ हुआ



पलारी। देव नगरी वाम देवसुन्दा में राम मंदिर में भगवान श्रीराम के प्राणप्रतिष्ठा की एक वर्ष पूर्ण होने पर 22 जनवरी को गांधी चौक देवसुन्दा में संगीतमय रामायण पाठ व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। साथ ही भक्त राम मंदिर की पहली वर्षगांठ 101 राम नाम की दीप प्रज्ज्वलित किया गया। साथ ही इस अवसर पर प्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर रामखिलावन वर्मा, राजेन्द्र वर्मा, शुभेन्द्र वर्मा, घनश्याम वर्मा, आनन्द साहू, डॉ. सालिक साहू, खेमिल वर्मा, कालि दुर्गेश्वरी, कामलि ऊषा पटेल के साथ अधिक संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

## राम जानकी मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा

पलारी। छेरकाडीह गांव में राम जानकी मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुई। मंदिर प्रांगण में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भजन-कीर्तन, प्रवचन और धार्मिक कार्यक्रमों ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। समारोह के दौरान भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने



प्रसाद ग्रहण किया। मुख्य अतिथि रामसुंदर दास महंत ने कहा, यह प्राण प्रतिष्ठा समारोह न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है,

बल्कि यह हमारे समाज को एकजुट करने का माध्यम भी है। राम जानकी मंदिर के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आध्यात्मिक

शांति और प्रेरणा मिलेगी। इस आयोजन में सभी की भागीदारी ने इसे और भी खास बना दिया है। महेंद्र मोनू साहू ने कहा यह समारोह हमारे गांव के लिए ऐतिहासिक क्षण है। राम जानकी मंदिर हमारी संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। इस आयोजन में सभी ने मिलकर जो सहयोग और समर्थन दिया, वह प्रशंसनीय है। हमें गर्व है कि हमने इस महान कार्य में योगदान दिया। कार्यक्रम में मनोज अहील, प्रवीण धुरंधर, प्रीतम कमल, लखन साहू, उमाकांत वर्मा, कार्तिक साहू, विशुन साहू, गोवर्धन साहू सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## श्रीराम जानकी मंदिर की प्रथम वर्षगांठ मनी...



सिमगा। नगर के सरोपी तालाब स्थित प्राचीन चिताहरण हनुमान मंदिर में विराजित राम जानकी मंदिर की प्रथम वर्षगांठ बुधवार को धूमधाम के साथ मनाई गई। शाम 4 बजे महिला मंडली द्वारा रामायण पाठ भजन करने के बाद शाम 6 बजे सरोपी तालाब में गंगा पूजन, राम जानकी एवं हनुमानजी की महाआरती की गई। तत्पश्चात 56 भोग का प्रसाद वढ़ाया गया एवं समस्त श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। पुरुष-मंडली द्वारा सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया।

जिले के प्रमारी मंत्री बघेल करेंगे ध्वजारोहण-महासमुंद। जिला मुख्यालय के निजी स्टेडियम में आयोजित होने वाले 76वें गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में जिले के प्रमारी एवं खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

## शिव महापुराण कथा के प्रारंभ पर निकाली कलश यात्रा

भवानीपुर।

ग्राम पंचायत भवानीपुर में ग्रामवासियों के तत्वावधान में 22 से 30 जनवरी तक संगीतमय शिव महापुराण कथा का आयोजन रखा गया है। इसमें कथा व्यास पं. घनश्याम नंद पाण्डेय द्वारा कथा श्रवण पान कराया जा रहा है। कथा के प्रथम दिवस गांव के देवी देवताओं का विधि पूर्वक पूजा अर्चना कर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के प्रथम दिवस कलश यात्रा विधि पूजन कर महात्म्य कथा एवं द्वितीय दिवस शिव पुराण परिचय कथा प्रारंभ किया गया। इसमें घनश्यामानंद पाण्डेय ने कहा कि शिव पुराण में शिव के जीवन उनके कल्याणकारी स्वरूप अवतारों ज्योतिर्लिंगों और



भक्ति का विस्तृत वर्णन है। शिव पुराण को शिव महापुराण भी कहा जाता है। शिव पुराण में शिव को पंचदेवों में सबसे बड़ा माना गया है। शिव पुराण में शिव की महिमा लीला कथाएं पूजा पद्धति और ज्ञानप्रद आख्यान हैं, जिसे सुनने मात्र से ही जीवन का उद्धार हो जाता है। कथा सुनने के लिए आसपास के ग्रामीण एवं समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में शिव महापुराण कथा सुनने पहुंच रहे हैं।

## श्री श्रेयन आयुर्वेद

**Panchkarma & Wellness Centre**  
(संयुक्त से भरा आयुर्वेद, स्वस्थ जीवन का राज)  
MD आयुर्वेद (पुणे)  
Timing- (11-8) by Appointment  
मो. 9111922122, 9111912122, 0771-3558564  
पता :- B-22 जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)

**उपलब्ध पंचकर्म**

- बस्ति
- उत्तर बस्ति
- जानु बस्ति
- इत्यादि।

**राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र**  
(22 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)  
**क्षार-सूत्र चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561**  
**पाइल्स, फिशर, फिस्टूला विशेषज्ञ**  
९ अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। ९ मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।  
विज्ञान हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

**डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव**  
INTL Ayurvedic Consultant  
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित



